



दिनांक 01.06.2026

प्रेस विज्ञप्ति 296 / 2026

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश।

साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के विरुद्ध बड़ी पहल — “साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर (CFMC)” तथा 1930 हेल्पलाइन के “स्टैंडअलोन 2.0” केंद्र का शुभारंभ

मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 श्री योगी आदित्यनाथ जी की साइबर अपराध की रोकथाम एवं साइबर अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने की प्राथमिकताओं के क्रम में श्री राजीव कृष्ण, पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश के निर्देशन में उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा साइबर वित्तीय अपराधों पर त्वरित कार्रवाई एवं पीड़ितों की धनराशि की सुरक्षा हेतु निरंतर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है, इसी क्रम में आज दिनांक: 01.06.2026 को कल्ली पश्चिम स्थित पुलिस लाइन, लखनऊ में 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन के नवीन स्टैंडअलोन 2.0 केंद्र तथा साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर (CFMC) का शुभारंभ श्री राजीव कृष्ण, पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा डीजी साइबर क्राइम श्री बी.के. सिंह की उपस्थिति में किया गया।

इसके अतिरिक्त इसी अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक, श्री पंकज कुमार द्वारा साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर (cyber fraud mitigation centre) का उद्घाटन पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश की उपस्थिति में किया गया।

इस उद्घाटन समारोह में बैंकिंग इकोसिस्टम (banking ecosystem) के महत्वपूर्ण हितधारक (stakeholders) भी उपस्थित थे: श्री पंकज कुमार क्षेत्रीय निदेशक (Regional director) - भारतीय रिजर्व बैंक (Reserve Bank of India), श्री पंकज कुमार मुख्य महाप्रबंधक (Chief general manager) नाबार्ड (NABARD), श्री शैलेंद्र कुमार सिंह महाप्रबंधक (GM) - बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB), एसएलबीसी संयोजक (SLBC Convenor)

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश श्री राजीव कृष्ण ने अपने संबोधन में कहा कि लगभग 10 माह पूर्व साइबर मुख्यालय में 30-सीटर साइबर कॉल सेंटर तथा Cyber Fraud Mitigation Centre (CFMC) की प्रारंभिक इकाई स्थापित की गई थी। आज उसी व्यवस्था का विस्तार करते हुए अतिरिक्त 30-सीटर साइबर कॉल सेंटर एवं पूर्ण विकसित CFMC का उद्घाटन किया गया है।

उन्होंने कहा कि साइबर ठगी के मामलों में समय ही सबसे महत्वपूर्ण कारक है। पूर्व में स्थापित कॉल सेंटर से शिकायतों को स्वीकार करने और उन पर कार्रवाई की क्षमता बढ़ी थी, लेकिन बड़ी संख्या में प्राप्त हो रही कॉलों को देखते हुए सेवा क्षमता का विस्तार आवश्यक था।

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि पूर्ण विकसित CFMC के माध्यम से साइबर ठगी से संबंधित धनराशि को शीघ्र फ्रीज कराने, लियन राशि बढ़ाने और पीड़ितों की रकम सुरक्षित रखने की प्रक्रिया और मजबूत होगी। इससे साइबर अपराधियों के आर्थिक नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा।

उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि साइबर ठगी की स्थिति में “गोल्डन ऑवर” ही नहीं, “गोल्डन मिनिट्स” भी महत्वपूर्ण हैं। ठगी की जानकारी मिलते ही तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर सूचना दें, ताकि समय रहते धनराशि फ्रीज कराकर आर्थिक नुकसान को कम किया जा सके।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस साइबर अपराध की रोकथाम, नियंत्रण और उभरती तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पुलिस महानिदेशक ने CFMC और विस्तारित साइबर कॉल सेंटर की स्थापना में डीजी साइबर क्राइम श्री बी.के. सिंह, डीआईजी साइबर क्राइम तथा साइबर मुख्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मियों के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि RBI, विभिन्न बैंकिंग संस्थानों और साइबर मुख्यालय के समन्वय से यह व्यवस्था प्रदेश के नागरिकों को साइबर ठगी से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

80 कुल सीट (14 से, 2021)	~30 लाख 2025 में प्राप्त कॉल	37.3% लियन दर, अप्रैल 2026	19 CFMC में बैंक
--------------------------------	---------------------------------	----------------------------------	---------------------

1930 हेल्पलाइन: क्षमता का विस्तार

वर्ष 2021 में केवल 14 सीटों से आरंभ हुई यह हेल्पलाइन आज 80 सीटों की सुदृढ़ प्रणाली बन चुकी है। 27 जुलाई 2025 को 30 सीटों के साथ पहला समर्पित (स्टैंडअलोन) केंद्र आरंभ हुआ था। अब स्टैंडअलोन 2.0 के अंतर्गत इस केंद्र की क्षमता को दोगुना करके 30 से 60 सीट कर दिया गया है, जिससे 112 भवन की 20 सीटों के साथ कुल प्रणाली क्षमता 80 सीट हो गई है।

नए केंद्र की आवश्यकता क्यों?

हेल्पलाइन पर कॉलों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2025 में लगभग 30 लाख कॉल प्राप्त हुए, और 2026 में प्रतिदिन औसतन लगभग 10,700 कॉल आ रहे हैं। बढ़ती मांग के कारण कुछ कॉल प्रतीक्षा में छूट जाते थे। सीटों की संख्या दोगुनी करने से अधिक कॉल “गोल्डन अवर” में उठाए जा सकेंगे, जिससे अधिक पीड़ितों की धनराशि समय रहते रोकी जा सकेगी।

लियन (धन फ्रीजिंग) में उल्लेखनीय प्रगति

राज्य ने पीड़ितों की धनराशि को लियन के माध्यम से रोकने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। लियन दर अप्रैल 2025 के लगभग 18.3% से बढ़कर अप्रैल 2026 में लगभग 37.3% हो गई — यानी लगभग दोगुनी। इस अवधि में लगभग ₹466.9 करोड़ की धनराशि लियन के माध्यम से सुरक्षित की गई। CFMC के सहयोग से बैंकों के साथ त्वरित समन्वय संभव हुआ है।

FMC: बैंकों के साथ एक छत के नीचे समन्वय

CFMC में अबतक 19 बैंकों (20 प्रतिनिधियों) को एक ही स्थान पर स्थापित किया गया है — जिनमें सार्वजनिक, निजी तथा सहकारी बैंक शामिल हैं। इससे धोखाधड़ी की राशि को वास्तविक समय में रोकना संभव हो रहा है। प्रणाली को चौबीसों घंटे (24×7) सुदृढ़ बनाने हेतु शेष बैंकों के रात्रिकालीन डेस्क को भी शीघ्र जोड़ा जाएगा।

नागरिकों से अपील

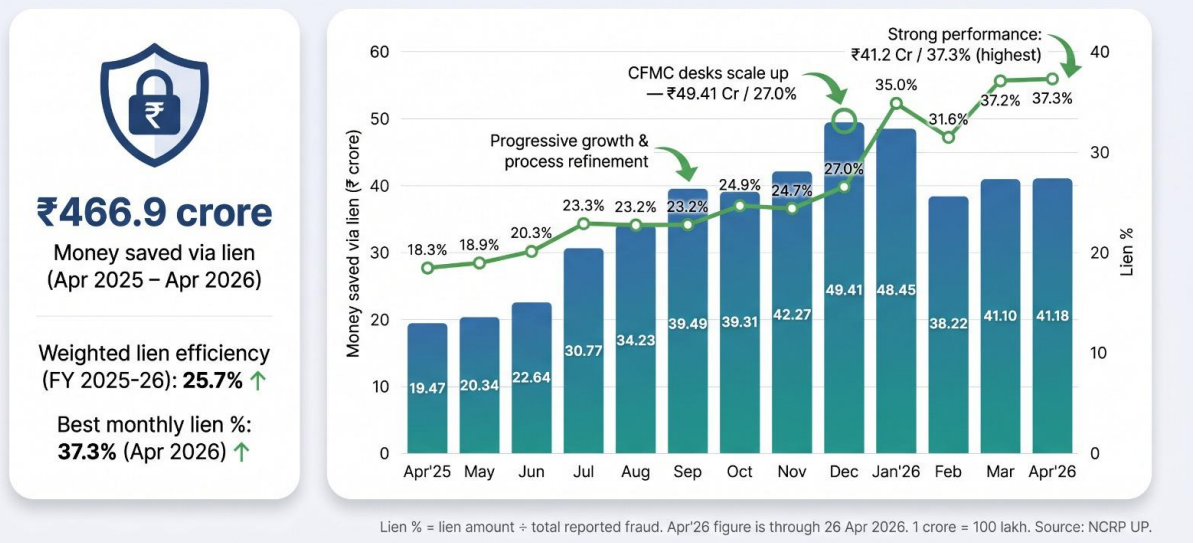
- साइबर वित्तीय धोखाधड़ी होने पर **तुरंत (गोल्डन अवर में) 1930 पर कॉल करें** अथवा cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।
- किसी भी व्यक्ति को OTP, PIN, CVV या बैंक विवरण साझा न करें।
- अंजान लिंक, कॉल या निवेश/इनाम के लालच से सावधान रहें।

Evolution of the UP Cybercrime Helpline – 14 to 80 operator seats



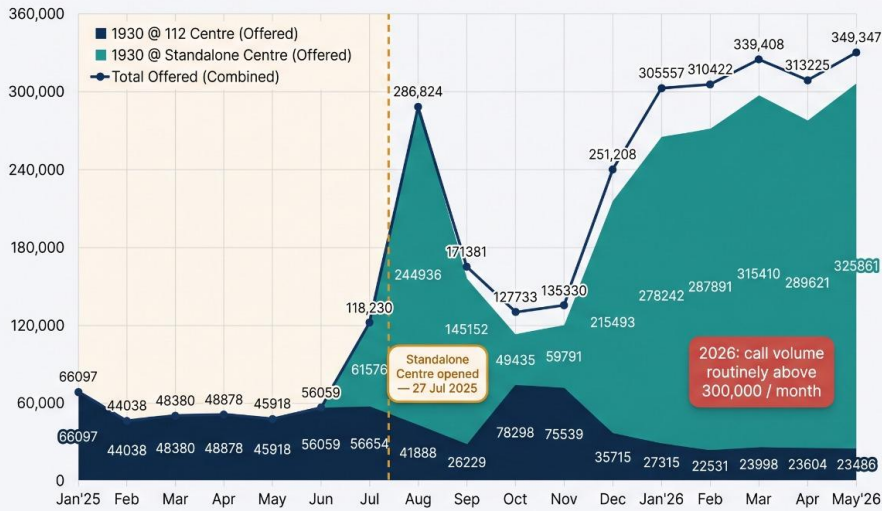
UP Lien Performance – Apr 2025 → Apr 2026

Continuous improvement, bolstered by the CFMC: lien efficiency roughly doubled



1930 Helpline (UP) — Offered Calls Trend, Jan 2025 → May 2026

Standalone Centre opened 27 Jul 2025 → a structural step-change in call flow



Avg daily offered calls (Jan-Jun 2025)

1,709 / day

309,370 calls over 181 days

Avg daily offered calls (Jul-Dec 2025)

5,928 / day

1,090,706 calls over 184 days +247% vs Jan-Jun

Avg daily offered calls (Jan-May 2026)

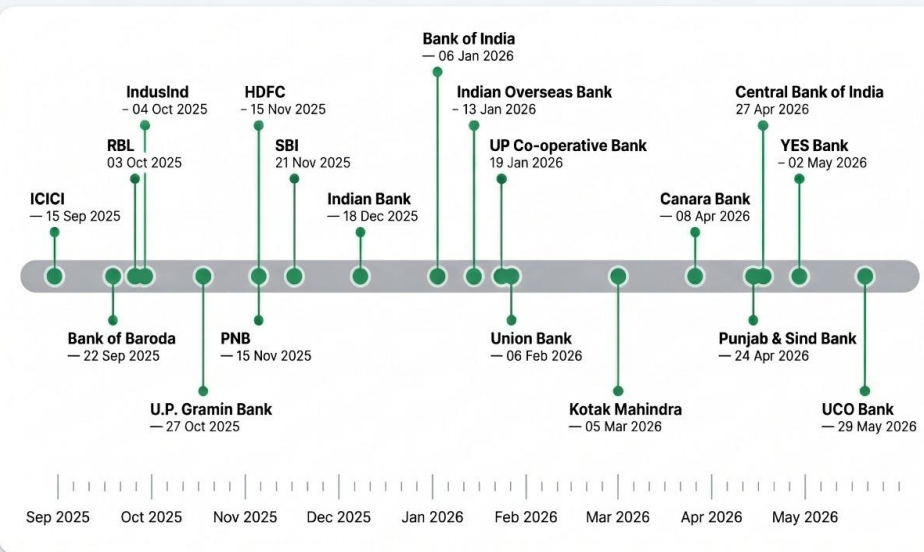
10,715 / day

1,617,959 calls over 151 days

Chart shows Offered Calls only. Source: 1930 combined call data.

CFMC Bank Network — banks joining the UP Police cyber-fraud response

19 banks, 20 representatives onboarded Sep 2025 → May 2026



Banks on roster

19

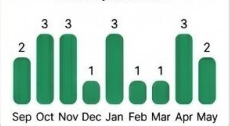
Banks onboarded by Nov 2025

8

Banks onboarded by Jan 2026

12

Monthly additions



Source: CFMC bank-representative roster. 12 public-sector, 6 private-sector, 1 co-operative bank.